जनसंख्या वितरण या घनत्व का स्थानिक प्रारूप

(Spatial Patterns of Population Distribution or Density)

Dr. Jagdish Chand
Govt. College Sangrah

- ससार म जनसंख्या के वितरण में एकरूपता नहीं है। इसमें बहत अधिक असमानताएं पाई जाती हैं।
- विश्व की कल जनसंख्या का आधे से अधिक 60% भाग एशिया महाद्वीप में निवास करता है।
- जबकि विश्व में इसका क्षेत्रफल 30% के करीब है। जबकि यूरोप में संसार की 11% जनसंख्या रहती है, जबकि इसका क्षेत्रफल 6% के करीब है।
- यरोप तथा एशिया महाद्वीप में विश्व की 75% से भी अधिक जनसंख्या रहती है।
- यही नहीं संसार की 90% जनसंख्या उत्तरी गोलार्द्ध में रहती है और दक्षिणी महाद्वीपों में जनसंख्या बहुत कम है।

- संसार की 80% जनसंख्या 20% भू-भाग पर निवास करती है तथा 20% जनसंख्या 80% भू-भाग पर निवास करती है। (80% of world population lives on 20% of land surface and 20% of population on 80% of land surface.)
- जनसंख्या का वितरण पृथ्वी की उत्पादन शक्ति, प्राकृतिक संसाधनों, औद्योगिक संसाधनों, विकास की स्थिति एवं अन्य कई प्रकार के कारकों के परस्पर सम्बन्धों पर निर्भर करता है।
- मनुष्य उन स्थानों पर रहना पसन्द करता है, जहां उसका जीवन सुखमय और आजीविका के लायक हो।
- इसलिए पृथ्वी पर जनसंख्या के वितरण में अनेक विषमताएं हैं।

- संसार की कुल जनसंख्या का केवल एक चौथाई हिस्सा केवल विकसित देशों में ही निवास करता है।
- जिनमें उत्तरी अमेरिका, यूरोप, जापान, आस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैण्ड, रूस आदि देश शामिल हैं।
- जबकि विश्व की अधिकतर जनसंख्या अल्प विकसित क्षेत्रों जैसे अफ्रीका, लेटिन अमेरिका, एशिया तथा कुछ समुद्री द्वीपों में निवास करती है।
- चीन संसार का सबसे अधिक जनसंख्या (1349 मिलियन) वाला देश है। यहां की जनसंख्या संसार के सभी विकसित देशों की जनसंख्या को मिलाने से थोड़ी सी कम है।

- भारत संसार का दूसरा बड़ा जनसंख्या वाला देश है जहां पर 1210 मिलियन लोग निवास करते हैं।
- संयुक्त राज्य अमेरिका संसार का तीसरा बड़ा जनसंख्या वाला देश है जहां 316 मिलियन लोग निवास करते हैं।
- इसके पश्चात् चोथ स्थान पर इन्डोनेशिया, पांचवें स्थान पर ब्राजील, छठे स्थान पर पाकिस्तान तथा सातवें स्थान पर राशिया है।
- इन सात बड़े जनसख्या वाले देशों में से अधिकतर जनसंख्या विकासशील देशों में केन्द्रित है।

- संसार की कुल जनसंख्या का केवल एक चौथाई हिस्सा केवल विकसित देशों में ही निवास करता है।
- जिनमें उत्तरी अमेरिका, यूरोप, जापान, आस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैण्ड, रूस आदि देश शामिल हैं। जबकि विश्व की अधिकतर जनसंख्या अल्प विकसित क्षेत्रों जैसे अफ्रीका, लेटिन अमेरिका, एशिया तथा कुछ समुद्री द्वीपों में निवास करती है।
- चीन संसार का सबसे अधिक जनसंख्या (1349 मिलियन) वाला देश है। यहां की जनसंख्या संसार के सभी विकसित देशों की जनसंख्या को मिलाने से थोड़ी सी कम है।

- भारत संसार का दूसरा बड़ा जनसंख्या वाला देश है जहां पर 1210 मिलियन लोग निवास करते हैं।
- संयुक्त राज्य अमेरिका संसार का तीसरा बड़ा जनसंख्या वाला देश है जहां 316 मिलियन लोग निवास करते हैं।
- इसके पश्चात् चोथ स्थान पर इन्डोनेशिया, पांचवें स्थान पर ब्राजील, छठे स्थान पर पाकिस्तान तथा सातवें स्थान पर राशिया है।
- इन सात बड़े जनसख्या वाले देशों में से अधिकतर जनसंख्या विकासशील देशों में केन्द्रित है।

जनसंख्या के घनत्व के आधार पर विश्व को निम्नलिखित अधिक जनसंख्या, मध्यम जमसंख्या तथा न्यून जनसंख्या वर्गों में विभाजित किया जा सकता है

1. **अधिक घनत्व वाले क्षेत्र (Areas of High Density)-** विश्व में अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्र विभिन्न भौगोलिक स्थितियों में फैले हुए हैं।

- संसार में मुख्यतः 4 प्रमुख अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्र निम्नलिखित हैं। जहां जनसंख्या का घनत्व 100 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर या इससे भी अधिक है।
- विश्व के इन चार प्रमुख क्षेत्रों में अत्यधिक उपजाऊ मैदानों, जलवायु की अनुकूलता अत्यधिक औद्योगिकरण तथा शहरीकरण के कारण जनसंख्या का अत्यधिक सकेन्द्रीकरण है।

- 1.1 चीन तथा सुदूर पूर्व (China and Far East)- इस जनसंख्या वर्ग में चीन, जापान, कोरिया, फिलिपाइनस, ताईवान आदि देश सम्मिलित हैं।
- इस क्षेत्र में संसार की 25% जनसंख्या निवास करती है। जापान बहुत छोटा देश है।
- जहां 12.7 करोड़ लोग 3.7 लाख हेक्टेयर वर्ग कि. मी. क्षेत्र पर रहते हैं। इस क्षेत्र का औसत घनत्व 350 व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी. है।
- यहां पर चीन की जनसंख्या 1349 मिलियन, उत्तरी कोरिया की 150 मिलियन, फिलीपाइन की 100 मिलियन के करीब है।

- चीन में जनसंख्या का घनत्व 144 व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी. है तथा यहां अधिकतर जनसंख्या का घनत्व पूर्वी तटवर्ती क्षेत्र में केन्द्रित है।
- जापान तथा जावा में अधिकतर जनसंख्या का घनत्व समुद्री तटीय द्वीपों में केन्द्रित है। जापान को छोड़कर अधिकतर जनसंख्या इस क्षेत्र में ग्रामीण है तथा कृषि इनका प्रमुख व्यवसाय है।
- इसके अतिरिक्त जापान, मानचूरिया, हांगकांग तथा सिंगापुर प्रमुख औद्योगिक केन्द्र हैं जहां जनसंख्या का घनत्व ओर भी अधिक है।
- चीन में जनसंख्या का अधिकतर केन्द्रीकरण यांग टीजीकांयग घाटी (Yang Tezekiang). हवांग हो (Hwang Ho) तथा सिकयांग (Sikiang) में है।

- 1.2 दक्षिण तथा दक्षिण पूर्व एशिया (South and South East Asia)- इस वर्ग में भारत, श्रीलंका, भूटान, पाकिस्तान, नेपाल, थाइलैंड, मलेशिया आदि देश सम्मिलित हैं।
- इस क्षेत्र में 160 व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी. में रहते हैं। बंगला देश संसार का सबसे अधिक जनसंख्या के घनत्व वाला देश है। जहां 1118 व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी. में निवास करते हैं। भारत में जनसंख्या घनत्व 382 व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी. है।
- भारत में जनसंख्या का घनत्व गंगा, सिन्ध तथा ब्रह्मपुत्र नदियों के मैदानों तथा घाटियों में और तटवर्ती मैदानों में अधिकतर केन्द्रित है। पाकिस्तान में जनसंख्या का घनत्व 239 व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी. है।
- सिंगापुर, गयानमार, मलेशिया और इंडोनेशिया में भी जनसंख्या का घनत्व अधिक है। सिंगापुर में 7680 व्यक्ति प्रति वर्ग कि, मी, में निवास करते हैं। यद्यपि इन्डोनेशिया का औसत जनसंख्या घनत्व 130 व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी. है परन्तु इन्डोनेशिया में जावा द्वीप भी अत्यधिक जनसंख्या वाला क्षेत्र है।

- यहां पर जनसंख्या का घनत्व 940 व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी. है। जावा में जनसंख्या घनत्व का अधिक होना मुख्यत: यहां के कृषि संसाधनों से जुड़ा हुआ है। क्योंकि जावा द्वीप की ज्वालामुखी काली मिट्टियां (Volcanic Soils) कृषि उत्पादन के लिए बहुत ही उपजाऊ हैं।
- दक्षिणी तथा दक्षिण पूर्व एशिया में भारत सबसे बड़ा जनसंख्या वाला देश है। यहां पर संसार की लगभग 16% के करीब जनसंख्या का निवास है।
- इस जनसंख्या कटिबन्ध के अधिकतर देशों का प्रमुख व्यवसाय कृषि है तथा अधिकतर जनसंख्या गांवों में निवास करती है।
- कृषियुक्त भूमि इस क्षेत्र में बाढ़ के मैदानों, नदी घाटियों, डेल्टाई भागों तथा तटवर्ती मैदानों में पाई जाती है जहां जनसंख्या का घनत्व बहुत ही अधिक है।

- 1.3 यूरोप तथा सोवियत संघ का यूरोपीयन भाग (Europe and European Part of the Soviet Union)- इस क्षेत्र में संसार की 11% जनसंख्या निवास करती है। यहाँ जनसंख्या का घनत्व 188 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है।
- यूरोप में जनसंख्या के अधिक घनत्व का कारण, इसकी व्यापार एवं अन्य आर्थिक क्रियाओं के लिए अनुकूलतम स्थिति है।
- यू. एस. एस. आर. में जनसंख्या का घनत्व 99 व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी. है।
- दक्षिणी यूरोप में 108 से लेकर 115 तथा पश्चिमी यूरोप में 150 व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी. क्षेत्र में निवास करते हैं।
- इस क्षेत्र में ब्रिटेन, जर्मनी, इटली, फ्रांस, स्पेन आदि देश सम्मिलित हैं। परन्तु कुछ औद्योगिक क्षेत्रों के समीप जनसंख्या का घनत्व 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर से भी अधिक है।

- इस क्षेत्र में जनसंख्या का अधिक घनत्व मुख्यतः औद्योगिक विकास तथा शहरीकरण के साथ जुड़ा हुआ है। इस क्षेत्र में अधिकतर जनसंख्या का केन्द्रीयकरण औद्योगिक प्रदेश तथा कोयला क्षेत्रों के विकास से सम्बन्धित है।
- जिनमें जर्मनी के रूहर औद्योगिक क्षेत्र (Ruhr Industrial Region of Germany), रूस के डोनवास कोयला क्षेत्र (Donbas Region of Russia), फ्रांस वैल्जियम कोयला क्षेत्र (Franco Belgium Coal Fields) प्रमुख हैं।
- यहां पर औद्योगिक विकास के साथ-साथ बड़े स्तर पर शहरीकरण भी हुआ है। इन क्षेत्रों में अधिकतर जनसंख्या शहरी क्षेत्रों में रहती है। यहां पर बैल्जियम (Belgium), नीदरलैण्ड (Netherland) तथा जर्मनी (Germany) गहन तथा व्यापारिक कृषि उत्पादन वाले देश हैं।
- यहां पर कृषि उत्पादन मुख्यतः आधुनिक कृषि टकनोलोजी तथा यन्त्रीकरण के साथ जुड़ा हुआ है। इन क्षेत्रों की शीतोष्ण कटिबन्धीय
- जलवायु विभिन्न प्रकार की फसलें उगाने के लिए अनुकूल है।

- 1.4 उत्तरी अमेरिका का पूर्वी तटीय मैदान (Eastern Coastal Plain of North America)- इस क्षेत्र में पूर्वी तटर्वती | देशों में अधिकतर जनसंख्या पाई जाती है। उत्तरी तथा दक्षिणी अमेरिका को नई दुनिया (New World) के नाम से जाना जाता है।
- अमेरिका का सन् 1492 ई० तक कोई ज्ञान नहीं था परन्तु इस सन् में कोलम्बस (Columbus) ने इसकी खोज की जिसके पश्चात् बहुत से यूरोपियन प्रवासी यहां पहुंचे। अमेरिका की जनसंख्या 1779 के औद्योगिक क्रान्ति (Industrial Revolution) के पश्चात् बडी तीव्र गति से बढ़ने लगी।
- अमेरिका के मूल निवासी जिन्हें रैड इन्डियन (Red Indians) कहते थे को यूरोपीयन प्रवासियों के कारण पश्चिमी की तरफ हटाना पड़ा तथा यूरोप के अधिकतर देशों के निवासी उत्तरी तथा उत्तरी पूर्वी अमेरिका के तटर्वती भागों में आकर बस गए।

- इसी कारण ये तटवर्ती पट्टी इस समय अमेरिका की प्रमुख आर्थिक, व्यापारिक, सांस्कृतिक तथा राजनैतिक घटनाओं का प्रसिद्ध केन्द्र है। यद्यपि यहां पर औसत जनसंख्या का घनत्व 100 व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी. के करीब है।
- परन्तु फिर भी यहां के तटीय भागों में जनसंख्या का घनत्व 365 से भी अधिक व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर हैं। न्यूर्याक तथा बोस्टन (Newyork and Boston) जैसे क्षेत्रों में आबादी और भी सघन है। जहां 5000 से भी अधिक व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर में रहते हैं।
- उत्तरी अमेरिका में औसत जनसंख्या घनत्व 57 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका में ये घनत्व 33 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है। इन क्षेत्रों में जनसंख्या सघन होने के निम्नलिखित कारण हैं

- (i) यह क्षेत्र कृषि तथा खनिज संसाधनों में काफी धनी है। यहां पर कोयला, लोहा, लकड़ी इत्यादि प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। (Rich in Agricultural and Mineral Resources.)
- (ii) यहां पर खनिज और जल विद्युत पर आधारित उद्योग विकसित हुए हैं। (Development of Industries based on Minerals and Hydro Electricity.)
- (iii) इन क्षेत्रों का आर्थिक विकास अधिक हुआ है जिसके कारण यहां पर नगरीकरण तीव्र गति से हुआ (Economic Development and Urbanisation) है।
- (iv) तटवर्ती स्थिति के कारण प्रवासी यूरोपीय सबसे पहले यहां पर आकर बसे थे। (Coastal Location attracted people form Old World.)

- ससार के इन अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्रों के अतिरिक्त निम्नलिखित क्षेत्रों में भी घनी आबादी पाई जाती है
- (a) नील घाटी तथा नील डैल्टा (Nile Valley and Nile Delta)
- (b) ब्राज़ील का दक्षिणी पूर्वी तटर्वती भाग (Parts of Soviet Coast of Brazil)
- (c) पश्चिमी अफ्रीका के तटर्वती भाग विशेषकर नाईजीरिया तथा घाना (Coastal West African Belt of Nigeria and Ghana)
- (d) आस्ट्रेलिया का दक्षिणी पूर्वी तटर्वती भाग (South East Coast of Australia)

- अतः उपरोक्त अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्रों के अध्ययन से स्पष्ट है कि अधिकतर जनसंख्या की सघनता इन क्षेत्रों में मुख्यत: कृषि तथा औद्योगीकरण संसाधनों के उचित प्रयोग से जुड़ी हुई है।
- जापान को छोड़कर अधिकतर जनसंख्या दक्षिणी तथा दक्षिणी पर्वी एशिया के ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है जिनका कृषि प्रमुख व्यवसाय है। जबकि यूरोप तथा अमेरिका की अधिकतर जनसंख्या गैर-कृषि कार्यों में जुटी हुई है।
- यहां पर बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण तथा शहरीकरण की प्रक्रिया के कारण जनसंख्या का घना जमाव है। यही नहीं इन क्षेत्रों में कृषि उत्पादन भी आधुनिक तकनीकी विकास से सम्बन्धित है।

2. मध्यम घनत्व वाले क्षेत्र (Areas of Medium Density of Population)- इस जनसंख्या वर्ग वाले क्षेत्रों का भौगोलिक विस्तार अधिक घनत्व वाले क्षेत्रों के समीपवर्ती भागों में केन्द्रित है। यहां जनसंख्या का घनत्व 10 से 100 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर के करीब है । यह मध्य घनत्व वाले मुख्य क्षेत्र उन भागों में केन्द्रित हैं जहां का भौतिक तथा आर्थिक वातावरण न तो पूर्णत: विभिन्न प्रकार की आर्थिक क्रियाओं के लिए अनुकूल है और न ही बहुत कठिन भौगोलिक परिस्थितियों युक्त है। परन्तु मानवीय निवास के लिए उचित है। इस घनत्व वर्ग के प्रमुख क्षेत्र निम्नलिखित हैं

(i) मध्य संयुक्त राज्य अमेरिका (Central U. S. A.)

(ii) उत्तरी यूरोप (Northern Europe)

(iii) रूम सागर के ईद-गिद के क्षेत्र जैसे उष्ण कटिबन्धीय जलवायु का पश्चिमी अफ्रीकन भाग और उत्तरी भागों में मोराको, अल्जीरिया या रोमसागरीय तट (Areas Around Mediterranean Sea)

(iv) पूव रूस का मध्यर्वती भाग (Central Part of Formal U. S. S. R.) Some Parts of Peninsular Plateau)

(vi) मध्य चीन (Central China)

(vii) आस्ट्रेलिया के तटर्वती क्षेत्र (Coastal Areas of Autralia)

(viii) दक्षिणी अमेरिका के उत्तरी पूर्वी तथा दक्षिणी तटर्वती क्षेत्र जिसमें तटीय ब्राज़ील, मध्य चिल्ली, अर्जेन्टीना तथा बैन्जुएला शामिल हैं। (North eastern and South eastern Coastal Areas of South America, of Brazil, Central Chille, Argentina and Venzuela.)

- यहां पर जनसंख्या का घनत्व सघन घनत्व वाले क्षेत्र की तुलना में एकदम कम नहीं वरन् धीरे-धीरे कम होता जाता है।
- यहां पर मध्य य. एस. ए., दक्षिण अमेरिका, कनाडा और भूतर्पूव रूस में मशीनीकरण द्वारा कृषि के कारण मजदूरों की संख्या कम हो गई है।
- अफ्रीका और दक्षिणी अमेरिका के तटीय क्षेत्रों में भीतरी भागों की अपेक्षा किनारों पर जनसंख्या निवास के लिए अनुकूल परिस्थितियां पाई जाती हैं।
- भारत, चीन के अंतरर्वती भागों में म्यानामार (बर्मा), थाईलैंड, कम्पूचिया और वियतनाम में भी जनसंख्या का मध्यम घनत्व है। यहां पर अधिकतर लोग कृषि तथा अन्य प्राथमिक व्यवसायों में लगे हुए हैं। उत्तरी यूरोप, स्काटलैंड, डेन्मार्क, पोलैंड, वाल्कान, प्रायद्वीप में भी कृषि योग्य भूमि सीमित है।

- यहां पर अधिकतर मध्यम घनत्व के क्षेत्र बिखरे हुए क्षेत्रों के रूप में देखने को मिलते हैं। आस्ट्रेलिया के तटीय भागों में भी जलवायु स्थितियों के कारण मध्यम घनत्व के बिखरे हुए क्षेत्र केन्द्रित हैं।
- यहां पर कुछ एक स्थानों पर सिंचाई सुविधाएं और औद्योगिक विकास के कारण जनसंख्या का मध्यम सकेन्द्रीकरण है।
- कैस्पियन सागर के आस पास ईरान, ईराक में भी जनसंख्या का घनत्व मध्यम स्तर का है। क्योंकि यहां पर भी तेल खादानों वाले क्षेत्रों में अधिकतर जनसंख्या केन्द्रित है।

अतः स्पष्ट है कि संसार के मध्यम जनसंख्या वाले क्षेत्र को दो प्रमुख घनत्व वर्गों में विभाजित किया जाता है। जिसमें प्रथम प्रकार के क्षेत्र परानी दनिया (Old World) से सम्बन्धित हैं जिनमें एशिया, अफ्रीका तथा यूरोपीयन क्षेत्र शामिल हैं। जबकि दूसरी श्रेणी के मध्यम जनसंख्या वाले क्षेत्र नई दुनिया (New World) आस्ट्रेलिया तथा अमेरिका से सम्बन्धित हैं। इन दोनों दुनिया के देशों में बहुत शिक आर्थिक विभिन्नताएं पाई जाती हैं। यहां पर अधिकतर पुरानी दुनिया के देश आर्थिक रूप से नई दुनिया के देशों से पिछड़े हुए जलवायु के कारण मानव जीवन के लिए प्रतिकल भौगोलिक परिस्थितियां पाई जाती हैं । इन भूभागी का का वितरण शून्य के करीब है। जहां पर स्थाई रूप से मानव का कोई भी निवास नहीं है । यद्यपि आ ra Zone of Arctic Region) में अति शीत जलवाय के बावजद कुछ लोग निवास करते हैं। परन्तु उनकी संख्या बहुत ही ह। आत शीत जलवायु के कारण यहां पर कृषि र्काय सम्भव नहीं है तथा यहां के एस्कीमो लोग आखेट तथा मछली आदि प्राथमिक क्रियाओं से अपना जीवन निर्वाह करते हैं। सील तथा रेन्डियार यहां पर रहने वाले लोगों के प्रमुख शिकारी जीव हैं। आकाटक क्षेत्र के टुण्ड्रा खण्ड में इन एस्कीमो लोगों का वितरण 820 उत्तरी अक्षांश (North Latitude) तक देखने को मिलता है। ल ए इसके विपरीत दक्षिणी गोलार्द्ध के अति शीत अन्टार्कटिका महाद्वीप (Antarctica Continent) में मानव जाव प्रमाण प्राप्त नहीं हुए हैं। परन्तु आधुनिक समय में इन क्षेत्रों का विस्तृत अध्ययन करने के लिए कुछ अभियान दल समय-समय पर महाद्वापा का ओर प्रस्थान करते रहे हैं। परन्तु उनका निवास इस भूखण्ड पर बिल्कुल अस्थाई तथा बहुत ही थोड़े समय के लिए होता है। भारत से भी समय-समय पर वैज्ञानिकों के दल खोज र्काय के लिए इन महाद्वीपों पर जाते रहते हैं।

ससार के मरुस्थलीय भूभागों की तरह इन अतिशीत हिम क्षेत्रों में भी विकास क्रियाओं के प्रभाव के कारण कुछ जनसंख्या की सरचना में परिवर्तन दिखाई देने लगे हैं। इन क्षेत्रों में सोने, लोहे तथा तेल के खनन के कारण मजदूर तथा तकनीकी विशेषज्ञ समय-समय पर खनन का कार्य करने के लिए आते जाते रहते हैं। स्वीडन की गैलीवार लोहे की खान (Gasllivare Iron Fields of Sweeden), कनाडा की यूकान घाटी में सोने (Gold in Yukan Valley of Canada) तथा साईबेरिया में ट्रांस साईबेरियन रेलवे लाइन के सहारे लोहा, कोयला तथा तेल के खनन से जनसंख्या की संरचना में परिवर्तन विशेष रूप से इन क्षेत्रों में देखने को मिलता है। परन्तु इन सभी विकासात्मक कार्यों के बावजूद यहां पर जनसंख्या का घनत्व बहुत ही कम है। इन खानों में कार्य करने वाले लोगों को अपने दिनप्रतिदिन की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु निकटर्वती विकसित क्षेत्रों पर निर्भर करना पड़ता है।

3.3 ऊंचे पर्वतीय क्षेत्र (High Mountainous Regions)- पहाड़ी क्षेत्रों में भी अपेक्षाकृत कम लोग निवास करते हैं। ऊंचाई के अनुसार पर्वतीय क्षेत्रों में जनसंख्या का घनत्व कम होता जाता है। बहुत ऊंचे उठे हुए पर्वतीय क्षेत्रों में कोई भी मनुष्य निवास नहीं करता। हिमालय, आल्पस, राकी तथा एण्डीज पर्वतों में 3000 मीटर से अधिक ऊंचाई पर जनसंख्या बिल्कुल ही कम होती जाती है। नार्वे, स्काटलैण्ड, वेल्स तथा ग्रीनलैण्ड में जनसंख्या समुद्र तट से कुछ ही मीटर की ऊंचाई से कम होनी शुरू हो जाती है परन्तु जिन क्षेत्रों में खनिज पाए जाते हैं वहां विपरीत परिस्थितियों में भी मानव को निवास करना पड़ता है। जैसे पीरू तथा बोलिविया में बहुमूल्य खनिजों के खनन के कारण 4000 मीटर तक मनुष्य रहते हैं। कशमीर में भी 5500 मीटर की ऊंचाई पर किश्तवाड़ क्षेत्र में बहुमूल्य स्टोन निकालने के लिए खनन किया जाता है। सिन्धु नदी के स्रोत पर भी सोने के खनन का कार्य 5000 मीटर की ऊंचाई तक किया जाता है परन्तु गर्म उष्ण कटिबन्धीय क्षेत्रों के निम्नवर्ती भागों में जलवायु परिस्थितियां अनुकूल न होने के कारण अधिकतर शहर तथा कस्बे 2000 मीटर की ऊंचाई तक बसे हुए हैं। आदिस बाबा इथोपिया (Addis Ababa in Ithopia) में, कम्पाला यूगांडा में (Kampala in Uganda), कवेटो इकवेडर में (Quito in Ecuader) तथा कैन्डी श्रीलंका में (Kandy in Srilanka), इसी तरह के अधिक ऊंचाई पर बसे हुए शहर हैं। पर्वतीय भूभागों के जनसंख्या अध्ययन से यह स्पष्ट है कि इन क्षेत्रों में यद्यपि लोग निवास करते हैं परन्त उपजाऊ भूमि की कमी तथा दूसरे भू-भौतिकी कारकों की प्रतिकूलता के कारण निकटर्वती मैदानी भागों की अपेक्षा जनसंख्या घनत्व काफी कम है।

3.4 भूमध्यरेखीय उष्ण कटिबन्धीय घने र्वषा वन क्षेत्र (The Equatorial Tropical Dense Forests Region)मरुस्थलीय पर्वतीय तथा अति शीत जलवायु क्षेत्रों के अनुरूप भूमध्य रेखीय उष्ण कटिबन्धीय क्षेत्र में भी बहत अधिक र्गमी तथा र्वषा के कारण कम जनसंख्या वाले क्षेत्र सकेन्द्रित हैं। इन क्षेत्रों में घने वनों का आवरण देखने को मिलता है। यहां पर हर रोज़ दोपहर के बाद संवहनीय प्रक्रिया द्वारा तीव्र र्वषा होती है तथा तापमान 30°C से ऊंचा रहता है। दक्षिणी अमेरिका या अमेजन बेसिन (Amazon Basin of South America), अफ्रीका का कांगो बेसिन (Cango Basin of Africa) तथा दक्षिणी र्पूवी एशिया के द्वीपों (Island of South EastAsia) में इस प्रकार के वनों का आवरण देखने को मिलता है। यहां का उच्च तापमान, र्वषा, नमी, घने सदाबहार वन, विषैले जीव जन्तु के कारण यहां पर रहना उचित नहीं है। यहां की जनसंख्या चलवासी चरवाहे, आखेट तथा स्थानान्तरित कृषि में व्यस्त हैं। यहां पर बहुत थोड़े से भू-भाग पर जनसंख्या का जमाव है। जबकि अधिकतर भागों पर जनसंख्या बिल्कुल नहीं है परन्तु जहां कहीं

वनों को कषि कार्यों के लिए साफ किया गया था वहां पर अधिक र्वषा के प्रकोप के कारण यहां की उपजाऊ भमि बह जाती है। नमामि कटाव भमि का बहना, खाईयों का निर्माण होना इत्यादि गम्भीर समस्या उत्पन्न होती है। इन क्षेत्रों में जहां कहीं इन वनों का शोषण मानव ने अपनी आर्थिक क्रियाओं की र्पूति हेतु करने की

कोशिश की है। वहां इन का दुष्प्रभाव पर्यावरण संतुलन पर आवश्यक रूप से देखने को मिलता है परन्तु कुल मिलाकर इन क्षेत्रों में बहुत ही कम लोग निवास करते हैं। __ विश्व में अत्यधिक जनसंख्या संकेन्द्रण के क्षेत्रों में उपजाऊ मैदानी क्षेत्रों एवं अनुकूलतम जलवायु क्षेत्र में अधिकतर जनसंख्या निवास करती है। बहुत अधिक शहरीकरण एवं औद्योगिकीकरण युक्त क्षेत्र सामान्यतः घनी जनसंख्या वाले क्षेत्र हैं। विश्व में अत्यधिक जनसंख्या के चार प्रमुख क्षेत्र हैं जहां 100 व्यक्ति या इससे भी अधिक लोग प्रतिर्वग किलोमीटर में निवास करते हैं । ये चार प्रमुख क्षेत्रों पूर्व ऐशिया (चीन, जापान, कोरिया एवं ताईवान में) दक्षिणी एवं दक्षिणी पूर्वी ऐशिया, उत्तरी पश्चिमी यूरोप (यूनाइटिड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैण्ड, बैल्जियम, लकसमर्वग, आयरलैण्ड, डैनर्माक, स्पेन, इटली) अमेरिका का पूर्वी तटर्वती क्षेत्र आदि हैं। मा वर्तमान समय में जनसंख्या का प्रारूप परम्परागत समय की तुलना में ग्यात्मक (dynamic) है जिन पर नवीनतम जनसांख्यकीय प्रवृत्तियों एवं उन सभी प्रवृत्तियों जो लम्बे समय के दौरान अस्तित्व में आई हैं, का प्रभाव दृष्टिगोचर होता है। उदाहरण के लिए विश्व के कृषि उत्पादन की दृष्टि से उपजाऊ मैदानों एवं डैल्टाई क्षेत्र लम्बे समय से ही मानव आकर्षण का केन्द्र रहे हैं तथा यहीं विश्व की अधिकतर जनसंख्या सकेन्द्रित है।

परन्तु विज्ञान तथा तकनीकी में हुए विकासों का प्रभाव भी मानव संकेन्द्रीकरण पर दृष्टिगोचर होता है। पश्चिमी यूरोप तथा उत्तरी पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका में बहुत बड़े पैमाने पर शहरीकरण एवं घनी शहरी जनसंख्या, तकनीकी क्रान्ति, आर्थिक विकास तथा बड़े पैमाने पर स्थानान्तरण (Technological Revolution, Economic Development and Large Scale Migration) विशेषकर 19वीं व 20वीं शताब्दी के दौरान यहां पर जनसंख्या के घने बसाव का कारण रहा है। विकासशील देशों में बहुत से आकर्षक एवं निराशाजनक कारकों (Pull and Push Factors) के कारण लोगों का स्थानान्तरण ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर हुआ है। चीन एवं भारत जैसे विकासशील देश इस प्रक्रिया द्वारा अधिक प्रभावित हुए हैं, जिसके फलस्वरूप विकासशील देशों में विकसित देशों की तुलना में बड़े-बड़े शहरों की संख्या बहुत अधिक है। वर्तमान समय में अफ्रीका एवं लेटिन अमेरिका में जनसंख्या वृद्धि दर की प्रक्रिया तीव्र है क्योंकि यहां पर मृत्यु दर तीव्र गति से कम हुई है जबकि जन्म दर अपेक्षाकृत ऊंची रही है।

संसार में जनसंख्या के वितरण के अध्ययन की प्रमुख विशेषताएं (Main Characteristics of the Study of Distribution of Population in the World) संसार में जनसंख्या वितरण के विस्तृत अध्ययन से निम्नलिखित तथ्य उभर कर सामने आते हैं

1. बड़े स्तर पर विशेष कर महाद्वीपीय तथा देशीय स्तर पर जनसंख्या का वितरण भौतिक तत्त्वों द्वारा निर्धारित होता है। जबकि छोटे स्तर पर जैसे एक ही देश के विभिन्न प्रदेशों या उसके क्षेत्रों में आर्थिक तथा सामाजिक तत्त्व जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करते हैं।

2. जनसंख्या का वितरण विश्व में बहुत ही असमान है। संसार की अधिकतर जनसंख्या उत्तरी गोलार्द्ध में निवास करती है। जिसका अधिकतर भाग दक्षिणी पूर्वी एशिया तथा पश्चिमी यूरोप में केन्द्रित है।

3. एशिया महाद्वीप संसार का सबसे अधिक जनसंख्या वाला क्षेत्र है। जहां संसार की आधी से अधिक जनसंख्या निवास करती है। इसके विपरीत आस्ट्रेलिया तथा दूसरे छोटे-छोटे समुद्री द्वीपों में सबसे कम जनसंख्या निवास करती है।

4. चीन संसार का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है। जहां पर संसार के लगभग एक चौथाई लोग निवास करते हैं। भारत संसार का दूसरा प्रमुख जनसंख्या वाला भाग है यहां पर विश्व की कुल जनसंख्या का 17.3% हिस्सा निवास करता है। विश्व का प्रत्येक पांचवां एवं छठा व्यक्ति क्रमशः चीन तथा भारत में निवास करता है।

5. अक्षांशीय स्तर पर अधिकतर जनसंख्या का वितरण 20° उत्तर से लेकर 60° उत्तर के मध्य अंक्षांशों में देखने को मिलता है क्योंकि इन अक्षांशों में जलवायु तथा दूसरे भौतिक तत्त्वों की अनुकूलता के कारण मानव निवास के लिए आर्दश भौगोलिक दशाएं पाई जाती हैं। इन अक्षांशों में संसार की दो तिहाई से भी अधिक जनसंख्या निवास करती है। 4. 6. संसार में जनसंख्या का घनत्व 52 व्यक्ति प्रतिर्वग किलोमीटर के करीब है। परन्तु संसार के विभिन्न भागों में इस घनत्व के स्थानिक प्रारूप में काफी असमानताएं पाई जाती हैं। विश्व के अत्यधिक अति ठण्डे तथा अति र्गम मरुस्थलीय क्षेत्रों में जनसंख्या का घनत्व बहुत ही कम है जबकि बड़े-बड़े औद्योगिक तथा शहरी क्षेत्रों में बहुत अधिक व्यक्ति प्रति र्वग किलोमीटर क्षेत्र में निवास करते भारत में जनसंख्या वितरण

(Population Distribution in India) भौगोलिक क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत संसार का 7वां बड़ा देश है इसका कुल क्षेत्रफल 32,87,782 वर्ग किलोमीटर है। परन्तु जनसंख्या की दृष्टि से यह संसार का चीन के पश्चात् दूसरा घनी जनसंख्या वाला देश है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या 121 करोड़ है। पिछले दशक 2011 में ही भारत की जनसंख्या में 17.64 करोड़ की वृद्धि हुई है। वर्तमान समय में भारत की जनसंख्या की वृद्धि दर 1.64% है। यहां पर 382 व्यक्ति प्रतिर्वग किलोमीटर में निवास करते हैं। जिस जनसंख्या वृद्धि दर के अनुसार भारत की जनसंख्या बढ़ रही है तो यह 2020 में यह 135 करोड़ के करीब पहुंच जाएगी। भारत की जनसंख्या लगभग 35 वर्ष के काल में दुगुनी हो जाती है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की जन्मदर 20 प्रति हज़ार है तथा मृत्यु दर 7 प्रति हज़ार है। भारत में पुरुष स्त्री अनुपात 940 प्रति हजार के करीब है।

भारत में जनसंख्या वितरण का प्रारूप

(Patterns of Population Distribution in India) भारतीय जनसंख्या वितरण की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं

भारत का सबसे घनी जनसंख्या वाला राज्य उत्तर प्रदेश है। जिसकी जनसंख्या 19.9 मिलियन व्यक्ति है। जो भारत की कुल जनसंख्या का 20.09 % के करीब है। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या संसार के 5 बड़े देशों ब्राजील, चीन, इन्डोनेशिया, अमेरिका तथा रूस को छोड़कर अन्य सभी देशों से अधिक है। महाराष्ट्र भारत का दूसरा घनी आबादी वाला राज्य है जिसकी कुल जनसंख्या 112 मिलियन (15.99%) व्यक्ति हैं। बिहार तीसरा बड़ी जनसंख्या वाला राज्य है। इसकी कुल जनसंख्या 104 मिलियन (8.07%) व्यक्ति हैं। सभी राज्यों में सिक्किम सबसे कम आबादी वाला राज्य है जिसकी कुल जनसंख्या 6 लाख व्यक्ति ही है। केन्द्र शासित प्रदेशों में दिल्ली की जनसंख्या सबसे अधिक 167 मिलियन है। पोन्डीचेरी दूसरे स्थान पर (12 मिलियन) चण्डीगढ़ तीसरे स्थान पर (10 मिलियन) तथा लक्ष्यद्वीप की जनसंख्या सबसे कम 06 मिलियन है।

भारत की जनसंख्या का कुल घनत्व 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। देश के सभी राज्यों में बिहार में जनसंख्या घनत्व सर्वाधिक 1102 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है तथा सबसे कम घनत्व वाला राज्य अरुणाचल प्रदेश है जहां 17 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर निवास करते हैं। केन्द्र शासित प्रदेशों में सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व दिल्ली में है जहां 11297 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर में निवास करते हैं। घनत्व की दृष्टि से केन्द्र शासित प्रदेश चण्डीगढ़ दूसरे स्थान पर है जहां 9252 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर में रहते हैं।

क्षेत्रीय स्तर पर भी भारतीय जनसंख्या के वितरण में काफी अन्तर देखने को मिलता है । जनसंख्या का अधिकतर भाग मैदानी तथा तटवर्ती क्षेत्रों में केन्द्रित हैं। उत्तरी भारतीय मैदान तथा दक्षिणी में नदी घाटियां, डेल्टाई तथा तटवर्ती मैदानी भाग घनी जनसंख्या वाले क्षेत्र हैं। जबकि हिमालय के ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों, दलदली भूभागों तथा अति शुष्क मरुस्थलीय क्षेत्र में जनसंख्या का केन्द्रीयकरण कम है।

जनसंख्या के घनत्व के अनुसार सारे देश को निम्नलिखित तीन जनसंख्या क्षेत्रों में विभाजित किया जा सकता है

(a) घनी जनसंख्या वाले क्षेत्र (Areas of High Density)- इन जनसंख्या क्षेत्रों में देश के वे सभी भूभाग शामिल हैं जहां जनसंख्या का घनत्व 350 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर से भी अधिक है। इस जनसंख्या वितरण पट्टी में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, बिहार तथा पश्चिमी बंगाल राज्य शामिल हैं। ये समस्त हिन्दी भाषाई क्षेत्र हैं जहां कृषि, यातायात, उद्योगीकरण तथा शहरी विकास के कारण जनसंख्या का घनत्व बहुत अधिक है। यहां पर जनसंख्या का घनत्व 400 से लेकर 600 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। इन उच्च जनसंख्या क्षेत्रों के अतिरिक्त पश्चिमी तथा पूर्वी तटवर्ती भागों में भी जनसंख्या का घनत्व उच्च है जिनमें मालाबार तट तथा तमिलनाडू के शहरी तथा औद्योगिक क्षेत्र शामिल हैं। मद्रास, बंगलौर, मदुराई, कोयम्बटूर, टूटीकेरिन यहां के प्रमुख प्राचीनतम औद्योगिक नगर हैं । इस के अलावा आन्ध्र प्रदेश के गोदावरी डेल्टाई भाग, विस्त दोआब क्षेत्र, महाराष्ट्र तथा गुजरात के औद्योगिक तथा कृषि युक्त क्षेत्रों में जनसंख्या का घनत्व भारतीय औसत से काफी अधिक है। मुम्बई, हैदराबाद, बंगलौर, अहमदाबाद, खेड़ा, इन्दौर, दिल्ली, चण्डीगढ़ तथा 23 महानगरों में जनसंख्या का घनत्व बहुत अधिक है। इन सभी क्षेत्रों में उच्च जनसंख्या घनत्व कृषि, नगरीय, औद्योगिक विकास आदि से सम्बन्धित है।

(b) मध्यम जनसंख्या वाले क्षेत्र (Areas of Medium Density of Population)- मध्यम जनसंख्या वाले क्षेत्रों में वे सभी क्षेत्र शामिल हैं जिनकी जनसंख्या 150 व्यक्ति से लेकर 350 व्यक्ति प्रतिर्वग किलोमीटर है। ये सभी क्षेत्र अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्रों के ईद-र्गिद केन्द्रित हैं। जिनमें दक्षिणी भारत के अधिकतर क्षेत्र शामिल हैं। इसमें महाराष्ट्र , गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, रायलसीमा, तेलंगाना तथा समुद्री तटर्वती भाग सम्मिलित हैं। यहां पर सिंचाई युक्त कृषि खनिजों के खनन तथा उन पर आधारित नगरीय औद्योगिक प्रदेश प्रमुख औसत घनत्व वाले क्षेत्र हैं। इस र्वग में उत्तरी भारत में भी पंजाब, हरियाणा तथा राजस्थान के कुछ भाग भी शामिल हैं। जहां नगरीय उद्योगों तथा कृषि के विकास के कारण औसत जनसंख्या पाई जाती है।

(c) कम जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र (Areas of Low Density of Population)- कम जनसंख्या घनत्व वाले प्रदेशों में वे सभी क्षेत्र शामिल हैं जहां पर प्रति वर्ग किलोमीटर 150 व्यक्ति से भी कम लोग निवास करते हैं। भारत के आन्तरिक भाग के काफी

बड़े भू-भाग में जनसंख्या का घनत्व बहुत ही कम है इसके अतिरिक्त राजस्थान के मरुस्थलीय भाग, पहाड़ी भू-भागों तथा दलदलीय क्षेत्रों में भी जनसंख्या का घनत्व भारतीय औसत से निम्न है। यहां पर कुछ क्षेत्रों को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्रों में कृषि, उद्योग तथा विकास की दर कम होने के कारण जनसंख्या का वितरण भी धीमा है। इन क्षेत्रों में मानवीय निवास के लिए उपयुक्त केन्द्रों में ही जनसंख्या का घनत्व आपेक्षाकृत अधिक है अन्यथा जनसंख्या का वितरण काफी कम तथा विषम है।

5. उपरोक्त जनसंख्या घनत्व के प्रारूपों से यह निर्ष्कष प्राप्त होता है कि भारत का जनसंख्या का घनत्व मैदानी तथा तटर्वती पट्टियों में राष्ट्र ीय औसत से कहीं अधिक है। भारत के पठारी देशों में जनसंख्या का घनत्व औसत के करीब है। जबकि ऊंचे पर्वतों, पहाड़ी क्षेत्रों, मरुस्थलों तथा दलीदली क्षेत्रों में यह औसत से काफी कम है।

___6. जनसंख्या वितरण दृष्टि से अतः गंगा तथा ब्रह्मपुत्र के मैदान तथा डेल्टाई भूभाग, कावेरी, कष्णा. गोदावरी तथा महानदी के . डेल्टा तथा मालाबार की तटीय पट्टी भारत का सबसे घनी आबादी वाले क्षेत्र हैं । दक्कन का पठार मध्य भारत का पठारी मान
और हरियाणा के आधकतर दक्षिणी भाग और गुजरात आदि क्षेत्र में साधारण घनत्व क्षेत्र पाए जाते हैं जबकि कच्छ मला का थार मरुस्थल, पश्चिमी तथा मध्य हिमालय तथा उत्तरी पूर्वी भारत का समुचित पहाडी क्षेत्र विरल आवास